Hkxky

i'ui=&1 ¼Hkxky d fl)kUr½

ikdfrd Hkxky

1- Hkvkdfr foKku % भूआकृति विकास के नियंत्रक कारण; अंतर्जात एवं बहिर्जात बल; भूपर्पटी का उद्‌गम एवं विकास; भू–चंबकत्व के मूल सिद्धान्त; पृथ्वी के अंतरंग की प्राकृतिक दशाएं, भू – अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वतोत्पति के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकम्प एवं सुनामी; भूआकृतिक चक्र एवं दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएं, अनाच्छादन कालानुक्रम, जलमार्ग आकृतिक विज्ञान; अपरदन पृष्ठ; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भूआकृति विज्ञान; भूजलविज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान एवं पर्यावरण
2- tyok;q foKku % विश्व के ताप एवं दाब कटिबंध, पृथ्वी का तापीय बजट, वायुमण्डल परिसंचरण, वायुमण्डल स्थिरता एवं अनस्थिरता, भूमण्डलीय एवं स्थानीय पवन, मानसून एवं जेट प्रवाह; वायु राशि एवं वाताग्रजनन; शीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय चक्रवात; वर्षण के प्राकार एवं वितरण; मौसम एवं जलवायु; कोपेन, थॉर्नवेट एवं त्रेवार्था का विश्व जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया, अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु।
3- lenz foKku % अटलांटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एंव लवण बजट, महासागरी निक्षेप; तरंग धाराएं एवं ज्वार–भाटा; समुद्री संसाधन जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन, प्रवाल भित्तियां; प्रवाल विरंजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्र नियम एवं समुद्री प्रदूषण।
4- tho Hkxky % मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारकद्ध वन अपरोपण की समस्याएं एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृति वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केन्द्र।
5- i;koj.kh; Hkxky % पारिस्थितिकी के सिद्धान्त; मानव पारिस्थितिक अनुकूलनः पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिक परिवर्तन एवं असंतुलन; परितंत्र उनका प्रबंधन एवं संरक्षणः पर्यावरणीय निम्नीकरण, प्रबंध एवं संरक्षणः जैव विविधता एवं संपोषणीय विकासः पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान।

ekuo Hkxky

1- ekuo Hkxky ei lin'k % क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; उग्रसुधार क्रान्ति एंव अवस्थिति विश्लेषणः उग्रसुधार, व्यावहारिक, मानवीय एवं कल्याण उपागमः भाषाएं, धर्म एवं निरपेक्षीकरण; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचक।
2- vkfFkd Hkxky % विश्व आर्थिक विकास; माप एंव समस्याएं; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकटः संवृद्धि की सीमाएंः विश्व कृषिः कृषि प्रदेशो की प्रारूपताः कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएं; खाद्य सुरक्षा; दुर्भिक्ष; कारण, प्रभाव एवं उपचार, विश्व उद्योग; अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएं; विश्व व्यापार के प्रतिमान।
3- tul[;k ,o cLrh Hkxky% विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अतिरेक–अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएं; जनसंख्या के सिद्धान्त; विश्व जनसंख्या समस्याएं और नीतियां; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्‌दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पना; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम नगर उपान्त; अनुषंगी नगर नगरीकरण की समस्याएं एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास।
4- iknf'kd vk;kstu % प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियां; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियां; प्रादेशिक आयोजना में पर्यावरणीय मुद्‌दे संपोषणीय विकास के लिए आयोजना।
5- ekuo Hkxky ei ekMy] fl)kUr ,o fu;e% मानव भूगोल में प्रणाली विश्लेषण; मालथस का, मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टावर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त; पेरू एवं बूदेविए; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थान मॉडल; वेबर का औद्योगिक अवस्थान मॉडल; ओस्तोव का वृद्धि अवस्था माडल, अंतः भूमि एवं बहिः भूमि सिद्धान्त; अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं सीमान्त क्षेत्र के नियम।

i'ui=&2

Hkkjr dk Hkxky

1. Hkkfrd foU;kl % पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाहतंत्र एवं जल विभाजक; भू–आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप, उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रिया विधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि; जलवायवी प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा प्रकार एवं उनका वितरण।
2. llk/ku % भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट।
3. df"k % अवसंरचनाः सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारकः जोत भू–धारण एवं भूमि सुधारः शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रान्ति एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; वर्षाधीन खेती का महत्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रान्ति; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्षिपालन, एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवी क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश।
4. m|kx % उद्योगों का विकासः कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लोह एवं इस्पात, अलुमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल्स, आटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक घराने एवं संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीतियां; बहुराष्ट्रीय कम्पनियां एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थतिकी–पर्यटन समेत पर्यटन
5. ifjogu] lpkj ,o O;kikj % सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाई मार्ग एवं पाइपलाइन, नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पतनों का बढ़ता महत्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रक्रमण क्षेत्र, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम।
6. lkLdfrd foU;kl % भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्राजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएं; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियां, जनजातियां क्षेत्र तथा उनकी समस्याएं; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व, जनसंख्यिकीय गुणः लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकालः प्रवासन (अंतः प्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएं, जनसंख्या समस्याएं एवं नीतियां, स्वास्थ्य सूचक।
7. cLrh % ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सत्रनगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएं; नगर आयोजित; नगरीकरण की समस्या एवं उपचार।
8. iknf'kd fodkl ,o vk;kstuk% भारत में प्रादेशिक आयोजना का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएं; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेन्द्रीकृत आयोजना; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजन प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र मरूस्थल, अनावृष्टि प्रबण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिए आयोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास।
9. jktufrd ifjik{; % भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्य मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे सीमापार आंतकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिंदी महासागर परिमंडल की भू–राजनीति।
10. ledkyhu enn % पारिस्थितिकी मुद्दे; पर्यावरणीय संकट; भू–स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं पर्यावरण प्रबन्धन के सिद्धान्त; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण, वनोन्मूलन, मरूस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएं; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएं; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों का सहवद्धन भूमण्डलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था।

fVIi.kh % vH;fFk;k dk bl i'ui= e fy, x, fo"k;k l lxr ,d vfuok;l ekufp=&vk/kkfjr i'u dk mÙkj nuk vfuok;l gA